Newspaper : Dainik Jagran
Edition : Dhanbad City | Date: 31st October, 2018 | Pg. 12

'गुरुमंत्र' से सबल बनेंगी अबला बेटियां

अब मार्शल आर्ट सीखेंगी छठी से दसवीं तक की छात्राएं

जागरण संवाददाता, धनबाद : शहर हो या गांव, छात्राएं अपनी रक्षा के लिए अब दूसरों पर निर्भर नहीं रहेंगी। आत्मरक्षा के लिए जूडो-कराटे का प्रशिक्षण लेंगी। जरूरत पड़ी तो अपने आसपास के विद्यालयों की लड़कियों को कराटे में ट्रेंड भी करेंगी।

महिलाओं के बीच बढ़ते अपराधों से निपटने व लड़कियों को शारीरिक रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकारी स्कूलों की 25 हजार छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण मिलेगा। यह प्रशिक्षण छठी से दसवीं कक्षा की छात्राओं के बीच दिया जाना है। इस प्रशिक्षण में छात्राओं को मार्शल आर्ट और किसी हमले की स्थिति में निपटने के गुर सिखाए जाएंगे। इसको लेकर झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् ने समग्र शिक्षा अभियान के जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों को पत्र जारी किया है। पत्र में स्पष्ट कर दिया है कि सभी छात्राओं को तीन माह तक लगातार प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के दौरान होने वाले खर्च की राशि भी जारी कर दी गई है। प्रत्येक चयनित स्कूलों को 9 हजार रुपये प्रतिमाह मिलेंगे।

200 से अधिक छात्राओं वाले स्कूलों में ही प्रशिक्षण

- आत्मरक्षा प्रशिक्षण छठी से आठवीं और नौवीं-दसवीं की छात्राओं को मिलेगा।
- छठी से दसवीं तक दस-दस ऐसे विद्यालयों का चयन किया जाना है जहां छात्राओं की संख्या 200 या इससे अधिक है।
- अगल-बगल के दो-तीन स्कूलों को भी मिलाकर आत्मरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन किया जा सकता है।
- डीईओ चयनित विद्यालयों के प्रभारी, विद्यालय प्रबंध समिति के साथ बैठककर प्रशिक्षण का दिन, समय एवं प्रशिक्षण स्थल निर्धारित करेंगे।
- आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए प्रति विद्यालय 9 हजार रुपये की राशि स्वीकृत।
- प्रशिक्षण के लिए महिला प्रशिक्षकों को प्राथमिकता।
- संबंधित विद्यालय के खेल प्रशिक्षण की अनुपलब्धता की स्थिति में महिला शिक्षिका प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित रहेंगे।
- छात्राओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण जिले के पंजीकृत मार्शल आर्ट संस्था अथवा संबंधित खेल संघ, ताइक्वांडो, वुशु, जूडो-कराटे के प्रशिक्षकों की मदद लें।
- प्रशिक्षण के लिए अधिकतम तीन माह की सेवा ली जाएगी। प्रशिक्षकों को निर्धारित तीन हजार रुपये की दर से भुगतान होगा।
- जिला शिक्षा पदाधिकारी इसका अनुश्रवण करेंगे एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम फरवरी 2019 तक संपन्न कराना सुनिश्चित करेंगे।
- प्रत्येक विद्यालय आत्मरक्षा से संबंधित प्रतिवेदन फोटो सहित सात मार्च 2019 तक डीईओ को उपलब्ध कराएंगे। यह प्रतिवेदन राज्य को 15 मार्च तक भेजना है।

न करना कोई भूल, चटा देंगे धूल

मंगलम गार्डन में विद्यार्थी परिषद ने लड़कियों को आत्मसुरक्षा का दिया प्रशिक्षण ● जागरण

जागरण संवाददाता, धनबाद : न करना कमजोर समझने की भूल, चटा देंगे धूल। कुछ इसी अंदाज में आज बेटियां दिखीं। अवसर था अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से आयोजित अभियान मिशन साहसी का। शहर के मंगलम गार्डन में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न हिस्से से 700 छात्राएं शामिल हुई थीं। प्रशिक्षक के रूप में परिषद की प्रतिनिधि जूही शर्मा मौजूद थी जिसने उन्हें आत्म रक्षा के गुर सिखाए। विधायक राज सिन्हा ने आयोजन की सराहना की। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ धनबाद महानगर प्रचारक रविशंकर, महिला थाना प्रभारी सरिता कश्यप, क्रीड़ा भारती की प्रांत मंत्री अनुराधा पांडेय, धीरज मिश्रा, सूरज सिंह, अंशु तिवारी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सपन दुबे, सचिन दुबे आदि उपस्थित थे।